



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 275]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 1, 2000/अग्रहायण 10, 1922

No. 275]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 1, 2000/AGRAHAYANA 10, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 2000

अंतिम निष्कर्ष

विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित थियोफाईलिन एवं कैफीन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के संबंध में निर्णायक समीक्षा—अंतिम निष्कर्ष।

15/1/2000-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 26-7-1995 की अधिसूचना सं. एडीडी/24/94-95 द्वारा चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित थियोफाईलिन एवं कैफीन के आयातों पर सिफारिश किए गए पाटनरोधी शुल्क की

निर्णायक समीक्षा (जिसे इसके बाद समीक्षा भी कहा गया है) शुरू करते हुए दिनांक 3 मार्च, 2000 की अधिसूचना सं. 15/1/2000-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

- (ii) प्राधिकारी द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 1995 की अधिसूचना सं. एडीडी/24/94-95 द्वारा सम्पन्न की गई जांच का उल्लेख 'पूर्ववर्ती जांच' के रूप में किया गया है।
- (iii) प्राधिकारी द्वारा दिनांक 12 नवम्बर, 1998 की अधिसूचना सं. 38/2/98-एडीडी द्वारा सम्पन्न की गई समीक्षा जांच को "मध्यवर्ती समीक्षा जांच" कहा गया है।
- (iv) प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित थियोफाईलिन एवं कैफीन, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची I के सीमाशुल्क शीर्ष 2939.30 तथा 2939.50 के तहत वर्गीकृत हैं, के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा शुरू करते हुए एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे दिनांक 3 मार्च, 2000 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था।
- (v) समीक्षा से संबंधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार, केन्द्र सरकार ने चीन जनवादी गणराज्य से आने वाले थियोफाईलिन एवं कैफीन पर

प्रवृत्त पाटनरोधी शुल्क की लेवी की समीक्षा निष्कर्षों के लंबित रहने तक एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाया था।

(vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।

(vii) प्राधिकारी ने थियोफाईलिन एवं कैफीन के सभी ज्ञात उपभोक्ताओं (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ताओं द्वारा पूर्ववर्ती जांच में उपलब्ध कराए गए थे) को भी सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने के लिए कहा।

(viii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) तथा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से समीक्षा अवधि सहित पिछले तीन वर्षों में भारत में हुए थियोफाईलिन एवं कैफीन के आयातों के ब्यौरे देने का अनुरोध किया गया था।

(ix) प्राधिकारी ने संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को एक प्रश्नावली भेजी :—

1. हुनान प्रोविंशियल मेडिसिन, हुनान
2. शंघाई केमिकल्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, शंघाई
3. चाईना नेशनल केमिकल इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, बीजिंग
4. तियानजिन मेडिसिन्स एण्ड हेल्थ प्रोडक्ट्स, तियानजिन
5. ओनिंगडाओ नेशनल केमिकल्स एण्ड मेडिसिन्स, शंडोंग
6. बुहान मेडिसिन एण्ड हेल्थ प्रोडक्ट्स, बुहान
7. जियांगसू मेडिसिन एण्ड हेल्थ, जियांगसू

तथापि, किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया।

(x) नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को भी नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ करने के बारे में सूचना दी गयी थी और उनसे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रति, ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गयी थी।

(xi) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए थियोफाईलिन एवं कैफीन के निम्नलिखित आयातकों/प्रतिनिधियों और/अथवा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी :—

1. अहिंसा केमिकल्स, बम्बई
2. चीन का दूतावास, नई दिल्ली
3. जर्मन रीमेडीज, बम्बई
4. कैडिला, अहमदाबाद
5. मेरेडियन इंटरप्राइजेज, नवासारी
6. पोरम, रायगढ़
7. यूनीमेड टेक्नोलॉजीज
8. पेनजॉन, इंदौर
9. कोका कोला, पुणे
10. निकोलस पिरामल, धार
11. कांति लाल मणिलाल, बंबई
12. मेदा फार्मा, चेन्नई
13. सु वि कैमिकल्स, बंबई
14. जे. साह एण्ड कम्पनी, बंबई
15. एफ डी सी, बंबई
16. पेप्सिको फूड्स, संगरूर
17. साल्वि कैमिकल्स, महाराष्ट्र

तथापि, उपरोक्त में से किसी ने भी निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दायर किया है।

(xii) प्रश्नावली घरेलू उद्योगों को भेजी गई थी जिसमें मैसर्स बाकूल एरोमैटिक्स एण्ड कैमिकल्स लि., कोरेस (आई) लि., मैसर्स बैलिण्ट इंडस्ट्रीज लि. और सुवान फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं। इसमें उल्लिखित प्रथम तीन कम्पनियों ने निर्धारित प्रपत्र में उत्तर दिया है।

(xiii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के परिसरों की आवश्यक सीमा तक मौके पर ही जांच की। ईष्टतम उत्पादन लागत निकालने के लिए और सामान्य तौर पर स्वीकृत सिद्धांतों के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों को बनाने और उन्हें बचने की लागत निकालने के लिए भी लागत की जांच की गई थी।

(xiv) प्राधिकारी ने 6-11-2000 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की थी। इस सुनवाई में मैसर्स कोरेस इंडिया लि. और मैसर्स बैलिण्ट इंडस्ट्रीज लि. के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

इस सुनवाई में भाग लेने वाली पार्टियों से यह अनुरोध किया गया था कि वे उन विचारों को लिखित में दायर करें जो विचार उन्होंने मौखिक रूप से व्यक्त किए हैं। इन पार्टियों को यह सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां ले लें और यह अनुरोध किया गया था कि वे उन पर अपने खण्डन प्रस्तुत करें।

प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश प्राधिकारी द्वारा बनाई गई सरकारी फाइल के रूप में उपलब्ध कराए गए और हितबद्ध पक्षों द्वारा निरीक्षण के लिए खोली रखी गई थी।

(xv) इस निर्णायक समीक्षा जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अप्रैल, 1998 से 30 सितम्बर, 1999 तक थी।

(xvi) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए जिन आवश्यक तथ्यों/आधार पर विचार किया गया था उन्हें सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षों को अवगत कराया गया था और इन पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में उचित विचार किया गया है।

ख. घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार तथा प्राधिकारी द्वारा जांच

2. घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है और जहां आवश्यक समझा गया है, एतदपश्चात् उन पर संगत पैराग्राफों में कार्रवाई की गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है। विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तुओं के बारे में पहले अधिसूचित किए गए अंतिम निष्कर्ष अपरिवर्तित बने रहते हैं।

घ. घरेलू उद्योग

4. की गई जांचों में, प्राधिकारी ने निम्नलिखित इकाईयों को घरेलू उद्योग के अंग के रूप में माना है :—

- * कोरस इंडिया लिमिटेड
- * बकुल एरोमैटिक्स एंड कैमिकल्स लि.
- * वेलिएंट इंडस्ट्रीज लि०

5. प्राधिकारी ने उपर्युक्त उत्पादकों से लागत निर्धारण तथा क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया था। उपर्युक्त सभी उत्पादकों ने सूचना प्रस्तुत कर दी थी। इन कंपनियों का सामूहिक उत्पादन भारत में थियोफाइलिन तथा कैफीन के कुल उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता था। अतः ये कंपनियां सामूहिक रूप से नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

ड. पाटन

6. प्राधिकारी ने धारा 9 क (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां

भेजी थीं। तथापि, किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया और न ही कोई सूचना प्रस्तुत की। अतः प्राधिकारी का विचार है कि संबंध देशों से किसी भी निर्यातक ने नियमों में की गई परिकल्पना के अनुसार प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है।

7. घरेलू उद्योग ने उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातकों की ओर से असहयोग को ध्यान में रखते हुए, चीन जनवादी गणराज्य के लिए परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

8. घरेलू उद्योग ने डी जी सी आई एस द्वारा संकलित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमतों का दावा किया है। चूंकि चीन के किसी भी निर्यातक ने तथा भारत में किसी भी आयातक ने निर्यात कीमत के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है, इसलिए प्राधिकारी ने डी जी सी आई एस द्वारा संकलित सूचना के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। एफ ओ बी निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े और बीमा इत्यादि के लिए सी आई एफ निर्यात कीमत का समायोजन किया गया है जैसा कि पिछली जांचों में चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों और भारत में आयातकों के असहयोग को देखते हुए किया गया है।

9. इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य को कारखानागत कीमतों के रूप में समझा गया है।

10. चूंकि संबंध देश के किसी भी निर्यातक ने सूचना देने के लिए प्राधिकारी के अनुरोध का उत्तर नहीं दिया है इसलिए प्राधिकारी ने अलग-अलग निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है। चूंकि चीन के किसी भी निर्यातक ने और भारत में किसी भी आयातक ने कोई तथ्यपरक सूचना प्रस्तुत नहीं की है, इसलिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखा है और सामान्य मूल्य की तुलना भारत औसत निर्यात कीमत के साथ की है। इस तुलना से पाटन मार्जिन का निम्नानुसार पता चलता है:—

उत्पाद

पाटन मार्जिन

(निर्यात कीमत का प्रतिशत)

थियोफाइलिन	99.66%
कैफीन	122.79%

च. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

11. यह मानना अनुचित होगा कि घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदंडों को देखते हुए घरेलू उद्योग को संबंध देश से आयातों के कारण क्षति नहीं पहुंचेगी। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले किसी अथवा सभी आर्थिक मापदंडों में होने वाला सुधार विद्यमान पाटनरोधी शुल्क का परिणाम हो सकता है। तथापि, घरेलू उद्योग को पुनः क्षति पहुंचेगी यदि उत्पाद को पाटित कीमतों पर बेचा जा रहा हो (जैसी स्थिति वर्तमान मामले में है) और भारत में आयात

ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं जो कि घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से अत्यधिक कम हैं। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले आर्थिक मापदंडों में आने वाला सुधार, यदि कोई हो, के लिए पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की आवश्यकता नहीं है।

तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई जांच से चीन से हुए पाटन के द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चलता है जैसाकि विभिन्न मापदंडों में प्रदर्शित होता है यथा :

- (i) चीन के निर्यातकों द्वारा कीमतें कम किए जाने के परिणामस्वरूप कम बिक्री कीमतों की वजह से घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में गिरावट आई है ;
- (ii) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उनकी उत्पादन लागत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ है;
- (iii) घरेलू उद्योग को पाटन के कारण अपनी पूरी क्षमता से प्रचालन और उचित वृद्धि हासिल करने से रोका गया है।

(छ) अंतिम निष्कर्ष

12. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:—

(क) संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित थियोफाइलिन एवं कैफीन का सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत को निर्यात किया गया है;

(ख) यदि लागू पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाएगा तो घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंचेगी;

(ग) यदि लागू पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाएगा तो चीन जनवादी गणराज्य से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचेगी।

13. यह उचित समझा जाता है कि चीन के मूल के या वहां से निर्यातित थियोफाइलिन एवं कैफीन के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की जाए। पाटनरोधी शुल्क नीचे कालम 3 में उल्लिखित धनराशि होगी।

क्रम सं.	उत्पाद का नाम	धनराशि अमरीकी डालर/किग्रा.
1.	थियोफाइलिन	5.71
2.	कैफीन	6.86

14. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

15. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क उत्पाद शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING
AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st December, 2000

Final Findings

Subject : Sunset Review regarding of anti-dumping duty imposed on Theophylline & Caffeine originating in or exported from China PR—Final findings.

15/1/2000-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Custom Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. Procedure

1 The procedure described below has been :

- (i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), issued a public notice *vide* Notification No. 15/1/2000-DGAD dated the 3rd March, 2000 initiating Sunset Review (also hereinafter referred to as review) of anti-dumping duty recommended on imports of Theophylline & Caffeine (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR *vide* notification No. ADD/24/94-95 dated 26-7-95.
- (ii) The investigations concluded by the Authority *vide* Notification No. ADD/24/94-95 dated the 26th July 1995 have been referred to as “the previous investigations”;
- (iii) The review investigations concluded by the Authority *vide* notification No. 38/2/98-add dated 12th November, 1998 has been referred to as “mid-term review investigations”;
- (iv) The Authority issued a public notice dated 3rd March, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating review of anti dumping duty concerning imports of Theophylline & Caffeine classified under custom heading 2939.30 and 2939.50 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR (also referred to as the subject country hereinafter);
- (v) In accordance with Section 9A(5) of the Custom Tariff Act relating to review, the Central Government extended the levy of anti-dumping duty in force on Theophylline &

Caffeine from China PR for a period of one year pending review;

(vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the petitioners) and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);

(vii) The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known consumers of Theophylline & Caffeine (whose details were made available by petitioners in the previous investigations) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter;

(viii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) & Director General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of Theophylline & Caffeine made in India during the past three years, including the period of review,

(ix) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with Rule 6(4),

- 1 Hunan Provincial Medicine, Hunan
2. Shanghai Chemicals Import and Export Corpn., Shanghai
3. China National Chemical Import and Export Corpn., Beijing
4. Tianjin Medicines and Health Products, Tianjin
5. Oningdao National Chemicals & Medicines, Shandong
6. Wuhan Medicine & Health Products, Wuhan
7. Jaingsu Medicine and Health, Jiangsu

None of the exporters, however, filed response to the questionnaire,

(x) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, alongwith a list of known exporters/producers;

(xi) A questionnaire was sent to the following importers/representatives and/or consumers of

Theophylline and Caffeine in India calling for necessary action in accordance with rule 6(4) .

1. Ahinsha Chemicals, Bombay
2. Embassy of China, New Delhi
3. German Remedies, Bombay
4. Cadila, Ahmedabad
5. Meridian Enterprises, Navasari
6. Kopran, Raigad
7. Unimed Technologies,
8. Panjon, Indore
9. Coca Cola, Pune
10. Nicholas Piramal, Dhar
11. Kantilal Mani Lal, Bombay
12. Meda Pharma, Chennai
13. SU VI Chemicals, Bombay
14. J Shah & Company, Bombay
15. FDC, Bombay
16. Pepsico Foods, Sangrur
17. Salvi Chemicals, Maharashtra

However, none of the above have filed responses to the questionnaire in the prescribed format;

(xii) The questionnaire was sent to the domestic industries comprising of, M/s. Bakul Aromatics and Chemicals Ltd., Kores (I) Ltd., M/s. Valiant Industries Ltd. and M/s. Suvan Pharmaceuticals. The first three companies mentioned herein responded in the prescribed format,

(xiii) The Authority conducted on the spot investigation at the premises of the domestic industry to the extent considered necessary, Cost investigations were also conducted to work out constructed cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the Generally Accepted Accounting Principles.

(xiv) The Authority held a public hearing on 6-11-2000. Representatives of M/s. Kores India Ltd., and M/s. Valiant Industries Ltd., attended the hearing

They were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals

The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;

- (xv) Period of investigation for the purpose of this Sunset Review investigation was from April 1, 1998 to 30th September, 1999;
- (xvi) In accordance with Rule 16 of the Rules *supra*, the essential facts/basis, considered for these findings were disclosed to all known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

B. Views of Domestic Industry, Exporters, Importers and other interested parties and examination by authority

2. The submissions made by domestic industry and other interested parties have been examined, considered and wherever appropriate have been dealt hereinafter in the relevant paragraphs. None of the exporters and importers participated in the investigation.

C. Product under Consideration

3. There is no argument raised by any interested party with regard to product under consideration and like article. The final findings notified earlier with regard to the product under consideration and like articles remain unchanged.

D. Domestic Industry

4. In the investigations conducted the Authority has considered the following units as forming part of the domestic industry :

- Kores India Ltd.
- Bakul Aromatics and Chemicals Ltd.
- Valiant Industries Ltd.

5. The Authority requested the above mentioned producers to furnish costing and injury information. The information was filed by all the above producers. Collective production of these companies accounted for major proportion of the total production of Theophylline and Caffeine in India. These companies therefore, collectively constitute domestic industry within the meaning of the Rules.

E. Dumping

6. The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with section 9A(1)(c). However, none of the exporters responded to the Authority and have not furnished any information. The Authority, therefore, holds that none of the exporters from the subject

countries have cooperated with the Authority as envisaged under the Rules.

7. The domestic industry has furnished information with regard to normal value, based on constructed cost of production. The normal value has been determined by the Authority on the basis of cost of production constructed for China PR in view of non-cooperation from the exporters from China PR.

8. The domestic industry has claimed export prices on the basis of data compiled by the DGCIS. Since none of the exporters from China PR and importers in India have furnished any information with regard to export price, the Authority has determined export price on the basis of the information compiled by the DGCIS. The CIF export price has been adjusted for ocean freight and insurance etc., to work out net export price, as has been done in the previous investigations in view of non-cooperation from the exporters from subject country and importers in India.

9. The export price and normal value so determined have been considered as ex-works prices.

10. Since none of the exporters from the subject country has responded to the Authority's request for information, the Authority has not determined dumping margin for individual exporters. The Authority took into account the best information available, as none of the exporters from subject country and importers in India have furnished any factual information, for the purpose of fair comparison between the normal value and the export price and compared weighted average normal value with weighted average export price. The comparison shows dumping margin as under :

Product	Dumping Margin (% of export price)
Theophylline	99.66%
Caffeine	122.79%

F. Injury and Causal Link

11. It would be inappropriate to hold that the imports from the subject country would not cause injury to the domestic industry in the light of the economic parameters affecting the domestic industry. The improvement in any or all the economic parameters affecting the domestic industry could be a result of the existing anti-dumping duties. The injury to the domestic industry would, however, recur in case the product is being sold at dumped prices (as the situation is in the instant case) and the imports are entering at such prices in India which is significantly lower than the fair selling price of the domestic industry. The improvement in the economic parameters affecting the domestic industry if any does not warrant removal of anti-dumping duty.

However, the investigation conducted by Designated Authority has revealed injury suffered by the domestic industry caused by dumping from China which is reflected in various parameters such as—

- (i) there has been fall in the sales realisation of the domestic industry on account of low selling prices resulting from price undercutting by exporters from subject country;
- (ii) the selling price of the domestic industry is much below their cost of production resulting in financial losses being incurred by domestic industry;
- (iii) the domestic industry has been prevented from operating at full capacity and realise reasonable growth on account of dumping.

G. Final Findings

12 The Authority concludes, after considering the foregoing that :

- (a) Theophylline and Caffeine originating in or exported from the China PR has been exported to India below the normal value,
- (b) The domestic industry is suffering material injury from dumped imports of subject goods from China PR,

- (c) The injury to the domestic industry would get intensified from imports from China PR in case the anti-dumping duty in force is removed.

13. It is considered appropriate to recommend continuation of the anti-dumping duties in force on imports of Theophylline and Caffeine originating in or exported from China PR. The revised duties may come into force from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government. The anti-dumping duty shall be the amounts mentioned in column 3 below :

Sl. No	Name of product	Amount in US \$
(1)	(2)	(3)
1.	Theophylline	5.71
2.	Caffeine	6.86

14 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

15 An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in Accordance with the Act supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

